**माध्यस्थम अधिनियम की धारा 34 के अधीन आवेदनपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**अतिसादर पूर्वक प्रदर्शित करता है –**

1. यह कि वादी ने प्रतिवादी के रूप में आवेदक को पक्षकार बनाने के लिए प्रस्तुत वाद दाखिल किया है। उच्च न्यायालय ने लिखित कथन दाखिल करने के लिए ................... नियत की है।
2. यह कि वादी तथा प्रतिवादी के बीच हुए माध्यस्थम करार के अनुसार यह करार हुआ था कि मतभेद होने की दशा में, मामले को पक्षकारों की सहमति से नियुक्त किये जाने हेतु मध्यस्थ को निर्देशित किया जा सकेगा।
3. यह कि प्रस्तुत वाद में मतभेद में मामले माध्यस्थम् करार को निर्देशित किये गये मुद्दों के समरुप है। अतएव उन्हें माध्यस्थम करार के अनुसरण में नियुक्त किये जाने हेतु एक मध्यस्थ को सर्वप्रथम निर्देशित किया जाना चाहिए।
4. यह कि मध्यस्थ को विवादास्पद मामलों को निर्देशित करने के बजाय वर्तमान वाद दाखिल किया है। चूँकि वादी ने वर्तमान माध्यस्थम करार के निबन्धनों के अतिक्रमण में प्रस्तुत कार्यवाहियाँ दाखिल की है इसलिए प्रस्तुत वाद की कार्यवाहियाँ स्थगित कर दिया जाने योग्य है।
5. यह कि आवेदक उन सभी बातों को करने के लिए तैयार एवम् इच्छुक है जो माध्यस्थम करार के निबन्धनों के अनुसार मध्यस्थ को विवाद के निर्देश हेतु आवश्यक है।

**प्रार्थना**

यह अतिसादर पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि वाद में कार्यवाहियाँ ऐसे निबन्धनों एवम का पर स्थगित कर दी जाय जो यह आदरणीय न्यायालय उपयुक्त समझे।

आवेदक जरिये अधिवक्ता

स्थान :

तारीख :

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

शपथपत्र

में ............................................ निवासी ................ निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम घोषणा करता हूँ -

1. यह कि मैं इस मामले में ................. हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने के लिए सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तुएं सत्य एवम् सही है।

शपथकर्ता

**सत्यापन**

में.................................................. तारीख ................................को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तुएं मेरी जानकारी में सत्य एवम् सहीं है।

शपथकर्ता